भारत सरकार

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **514** जिसका उत्तर

गुरूवार, **4 फरवरी**, 2021/15 माघ, 1942 (शक) को दिया जाना है

फंसे हुए जलयान

†514. श्री रवनीत सिंह:

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सही है कि दो भारतीय जलयान चीन तट के किनारे महीनों से फंसे हुए थे, क्योंकि चीन और ऑस्ट्रेलिया के बीच व्यापार विवाद चल रहा था;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या चीन से फंसे हुए भारतीय नाविकों को स्वदेश वापस लाने के लिए कोई समझौता किया गया है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री मनसुख मांडविया)

(क) और (ख): जी नहीं। उपलब्ध सूचना के अनुसार केवल एक भारतीय जलयान एम. वी. जग आनन्द (आईएमओ सं.9463308), जोकि मैसर्स ग्रेट ईस्टर्न शिपिंग कंपनी के स्वामित्व में है, कोयले की उतराई के लिए दिनांक 13 जून, 2020 को जिंगतांग पत्तन, उत्तर चीन पहुँचा था, जिसे इस जलयान में ऑस्ट्रेलिया में लादा गया था। इस जलयान में 23 भारतीय कर्मी सवार थे। यह जलयान चीन के पत्तनों में कर्मीदल के बदलाव के संबंध में होने वाली परेशानियों के कारण फंस गया था, क्योंकि चीन के पत्तन प्राधिकारियों ने दिनांक 28 मार्च, 2020 की प्रभावी तिथि से विदेशियों का प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया था और कोविड-19 के प्रसार को नियंत्रित करने की दृष्टि से सभी वीज़ा

और आवास अनुज्ञापत्र निलंबित कर दिये थे। यह जलयान जनवरी, 2021 के पहले सप्ताह तक जिनतांग पत्तन, चीन में प्रतीक्षारत था।

केओफेडियन लंगरगाह, चीन में दिनांक 3 अगस्त, 2020 से फंसे हुए एक विदेशी ध्वज जलयान एम. वी. अनास्तासिया (आईएमओ सं.962590) की सूचना भी प्राप्त हुई थी, जिसमें 16 भारतीय समुद्रकर्मी सवार थे।

(ग) से (ङ): जी नहीं। इन फंसे हुए भारतीय समुद्रकर्मियों को वापस लाने के लिए कोई समझौता नहीं हो सका है। तथापि, सूचना मिलने के बाद समुद्रकर्मियों के कर्मीदल बदलाव और कर्मीदल की देश वापसी को आसान करने के लिए नौवहन महानिदेशालय ने निम्नलिखित प्राधिकारियों के साथ इस मामले को उठाया है:

i. विदेश मंत्रालय, दक्षिण पश्चिम प्रभाग, नई दिल्ली;
ii. भारतीय दूतावास, बीजिंग, चीन;
iii. चीनी जनवादी गणराज्य को समुद्री सुरक्षा प्रशासन; और
iv. महासचिव, अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ), लंदन

इसके उपरांत, भारतीय ध्वज जलयान, एम. वी. जग आनन्द को कर्मीदल बदलाव के लिए जापान जाने की अनुमति दी गई थी और चिबा, जापान में दिनांक 18-19 जनवरी, 2021 को इस जलयान से उतारे गए पूरे कर्मीदल की दिनांक 20 जनवरी, 2021 को भारत में देश वापसी कर दी गई है। तत्पश्चात् 21 जनवरी, 2021 को एम. वी. जग आनन्द जलयान को चिबा, जापान से चीन के लिए रवाना किया गया।

एम. वी. अनास्तासिया जलयान से संबंधित मामले को विदेश मंत्रालय, भारत सरकार/चीन में भारत के दूतावास द्वारा इसके शीघ्र समाधान के लिए चीनी प्राधिकारियों के साथ उठाया गया है। हेबी राज्य, चीन के विदेश कार्यालय द्वारा सूचित किया गया है कि एम. वी. अनास्तासिया कर्मीदल के बदलाव के लिए लंगरगाह को छोड़ सकता है, जो कि तियांजिन पत्तन से होने की संभावना है। तियांजिन पत्तन में प्राधिकारी कर्मीदल बदलाव को सुविधाजनक बनाने के लिए मामले की जांच कर रहे है।

****